

**घिसना** पुं. (तद्.) 1. एक वस्तु को दूसरी वस्तु पर रखकर खूब दबाते हुए इधर-उधर फिराना, रगड़ना मुहा. घिस-घिस कर चलना- खूब काम में लाना, रगड़ खाकर कम होना या छीजना।

**घिसपिस** स्त्री. (तद्.) दे. घिसघिस 2. सट्टा-बट्टा, मेल-जोल।

**घिसफिस** स्त्री. (तद्.) 1. वह देर जो सुस्ती के कारण हो, कार्य में शिथिलता, अनुचित विलंब।

**घिसवाना** पुं. (देश.) घिसने का काम करवाना, रगड़वाना।

**घिस्मघिस्सा** पुं. (देश.) 1. गहरा धक्का, खूब भीड़-भाड़ 2. लड़कों का एक खेल जिसमें एक अपनी डोरी या नख को दूसरे की डोरी या नख में फँसा कर झटका देता है या रगड़ता है जिससे दूसरे की डोरी कट जाए 2. धक्का, ठोकर 3. कुंदा 4. वह आघात जो पहलवान अपनी कुहनी और कलाई के बीच की हड्डी की रगड़ से देते हैं।

**घिसा** पुं. (तद्.) घिसा हुआ, रगड़ा हुआ 2. पुराना 3. जीर्ण।

**घिसाई** स्त्री. (देश.) घिसने की क्रिया 2. घिसने का भाव।

**घिसाना** पुं. (देश.) रगड़ना।

**घिसाव** स्त्री. (देश.) रगड़, घिसन 2. कमी।

**घिसिआना** पुं. (देश.) घसीटना।

**घिसिरपिसिर** स्त्री. (अनु.) दे. घिसपिस।

**घींच** स्त्री. (तद्.) गरदन, ग्रीवा।

**घींचना** पुं. (देश.) खींचना।

**घी** पुं. (तद्.) दूध का चिकना सार जिसमें से जल का अंश तपा कर निकाल दिया गया हो 2. तपाया हुआ मक्खन, घृत मुहा. घी कड़कड़ाना- साफ और सोंधा करने के लिए घी को तपाना; घी को कुप्पा लुढ़काना- किसी बड़े व्यक्ति की मृत्यु, भारी हानि; घी के चिराग जलाना- घी के दिए जलाना- मनोकामना पूर्ण होना; घी खिचड़ी होना- अभिन्न हृदय होना; पाँचो उंगलियाँ घी में होना- खूब आराम चैन मिलना।

**घीकुआर** पुं. (तत्.) दे. घी।

**घीसना** स्त्री. (देश.) रगड़ना, घसीटना।

**घीसा** पुं. (देश.) घिसने या रगड़ने की क्रिया, रगड़।

**घुंघट** पुं. (देश.) 'घूँघट'।

**घुंटिका** पुं. (तत्.) कंडा।

**घुंडी** स्त्री. (तद्.) कपड़े का गोल बटन, मटर के आकार की कपड़े की सिली हुई गोली जिसे अंगरखे या कुरते का पल्ला बंद करने के लिए बाँधते हैं मुहा. घुंडी लगाना- अंगरखे या कुरते आदि का पल्ला अटकाना 2. हाथ या पैर के पहनने के कड़े के दोनों छोरों पर की गाँठ जो कई प्रकार की बनाई जाती है 3. बाजू जोशन आदि गहनों में लगी हुई धातु की गोल गाँठ जिसे सूत के धागे में डाल कर गहनों को कसते हैं 4. एक प्रकार की घास।

**घुँगची** स्त्री. (देश.) 'घुँघची'।

**घुँघची** स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की मोटी बेल जो प्रायः जंगलों में बड़ी-बड़ी झाड़ियों के ऊपर फैली हुई पाई जाती है टि. इसकी पत्तियाँ इमली की पत्तियों की-सी और खाने में कुछ मीठी होती है, इसके फूल सेम के फूलों के समान होते हैं, फूलों के झड़ जाने के बाद मटर की तरह फलियाँ गुच्छों में लगती हैं, जो जाड़े में सूख कर फट जाती हैं, जिनके अंदर लाल-लाल बीज दिखाई पड़ते हैं, यही बीज घुँघची होती है; सफेद रंग की घुँघची भी होती है, लाल घुँघची पूरी लाल होती है, इसके मुख पर काला छीटा होता है, जो बहुत सुंदर लगता है, मुलेठी इसी घुँघची की जड़ होती है, सफेद घुँघची वशीकरण की सामग्री मानी जाती है, वैद्यक में घुँघची कड़वी, बलकारक, केश और त्वचा के लिए हितकारी मानी गई है।

**घुँघनी** स्त्री. (देश.) भिगोकर घी या तेल में तला हुआ चना, मटर या और कोई अन्न, घुघरी मुहा. घुँघनी मुँह में रख कर बैठना-मौन होकर रहना।

**घुँघर** पुं. (देश.) दे. घूँघर।

**घुँघरदार** पुं. (देश+फा.) जिसमें घुँघरू लगी हो।

**घुंघराले** पुं. (देश.) घूमे हुए, कुंचित, घुँघरवाले, छल्लेदार बाल, टेढ़े और बल खाए बाल।